ओ. पी. सिंह, भा.पु.से.
O.P. Singh, IPS

महानिदेशक
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल
Director General
Central Industrial Security Force
13 C.G.O. Complex Lodhi Road,
New Delhi - 110003
Tel: 011-24361125 • Fax: 011-24361202
Email : dg@cisf.gov.in

अपील

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर मेरी शुभकामनाएं

भाषा किसी भी राष्ट्र के लिए सर्वोपरि होती है। किसी भी समाज की सर्वांगीण उन्नति एवं विकास के लिए भाषा के महत्व को नकारा नहीं जा सकता। भाषा राष्ट्र के जीवन में प्राणवायु का संचार करती है। अगर हम उपर्युक्त बाते हिंदी भाषा के बारे में कहें तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

भारतीय संविधान सभा ने 14 सितम्बर 1949 के दिन हिंदी को राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। अत: प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को हिंदी दिवस के रूप में मनाने का संकल्प किया गया। भारत सरकार के कार्यालयों में राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग सतत प्रयास कर रहा है। बल मुख्यालय में भी संघ की राजभाषा नीति के अनुसरण में हिंदी के प्रचार-प्रसार के लिए सतत प्रयास किया जा रहा है। विविध प्रोत्साहन योजनाओं तथा कार्यशालाओं और बैठकों का आयोजन नियमित रूप से किया जाता है। हिंदी के प्रचार-प्रसार तथा उसमें रूचि बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंदी पखवाड़े में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। मैं बल के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील करता हूँ कि वे इन प्रतियोगिताओं में बढ-चढ़ कर भाग लें और अधिक से अधिक हिंदी में काम करें।

मुझे, आप सभी से यह साझा करते हुए अपार हर्ष हो रहा है कि वर्ष 2016-17 में बल मुख्यालय को राजभाषा में उल्लेखनीय कार्य करने के लिए द्वितीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। वर्ष 2016-17 में संसदीय राजभाषा समिति द्वारा हमारी इकाइयों के समस्त निरीक्षण अत्यन्त सफल रहे। गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग एवं क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय द्वारा बल मुख्यालय के सभी निरीक्षण भी अत्यन्त सफल रहे। पिछले कुछ वर्षो में मुख्यालय के सरकारी काम काज में हिंदी के प्रयोग की स्थिति में अत्याधिक सुधार हुआ है। इसके लिए मै सहायक निदेशक/राजभाषा और उनके सहकर्मियों की प्रंशसा करता हूँ।

हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं आप सभी से अपील करता हूँ कि आप कार्यालय के रोज़-मर्रा के कार्यो में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें।

आइए, हिंदी दिवस के इस पावन अवसर पर यह हम यह संकल्प लें कि हम सभी हिंदी भाषा के उत्थान एवं प्रचार-प्रसार के लिए हर प्रकार से योगदान देंगे। हमें कवि दुष्यंत की ये पंक्तियां याद रखनी चाहिए :-

"सिर्फ हगांमा खड़ा करना मेरा मक़सद नहीं, सारी कोशिश है कि ये सूरत बदलनी चाहिए।
मेरे सीने में नहीं तो तेरे सीने में सही, हो कहीं भी आग, लेकिन आग जलनी चाहिए।

मैं, हिंदी दिवस के अवसर पर सभी वरिष्ठ अधिकारियों से अपील करता हूँ कि वे राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से हिंदी में काम करने की स्वयं पहल करें और अधीनस्थ कार्मिकों के लिए प्रेरणा स्रोत बनें।

'जय हिंद, जय हिंदी'।

(ओ. पी. सिंह)
महानिदेशक/केऔसुब